

संपादकीय

मास्क ही बचाव

को रोना के नये सब-वेरिएट जेप्सन.1 ने एक बार पिर हलचल मचा दी है। यह दुनिया के 40 देशों में फैला है। भारत में अब तक इसके 21 मास्टने समझे आये हैं। कोरोना के सभी मामलों को देखा जाये तो बुधवार को देश भर में 624 नये केस मिले, जो 21 मई 2023 के बाद से यानी पिछले सात महीनों में एक दिन में दर्ज हुई सबसे ज्यादा संख्या है। पिछले दो सप्ताह में भारत में कोरोना से 16 मौतें हुई हैं। वैसे तो कोरोना की पिछली लहरों के मुकाबले यह संख्या गंभीर नहीं कही जायेगी, लेकिन शुरू में धीरे और फिर तेजी से फैलाव की इसकी प्रवृत्ति को देखते हुए किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जा सकती। इसीलाए सरकार ने भी इस गंभीरता से लिया है। बुधवार को जग्जों के स्वास्थ्य मर्तियों के साथ बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ मनसुख मांडिया ने टेस्टिंग बढ़ाने, संविदारोपूर्वक अपनी भूमिका निर्वाहन करने और केंद्रों की रिपोर्टिंग करने पर जोर दिया। महाराष्ट्र शुरू होने के बाद से ही हम कोरोना के चले जाने और इसके पिर से आ धमकने की घोषणाएं सुनते रहे हैं। यह बात समझने की है कि कोरोना वायरस कभी गया नहीं था। न ही वह जायेगा। यह हमारे इकोसिस्टम का हिस्सा बन चुका है और यहीं बना रहेगा। समय-समय पर इसके नये-नये वेरिएट आते रहेंगे और हमें उनसे बचने और निपटने के तरीके अपनाने रहेंगे। जहां

अच्छी बात यह है कि जानकारों के मुताबिक घाहे नया सब-वेरिएट हो या कोरोना के पुराने वेरिएट, अच्छी वैरिली का फेस मास्क इससे बचाव का कारगर साधन है। इसलिए घबराने की बात नहीं है।

चुकी है। इसके अलावा यह ठंड का पीसम है, जो वायरस के अनुकूल पड़ता है। भारत और अब देशों में कोरोना के बढ़ो भारतों के मैदानजर जब नये वायरस की जीनोम एनालिसिस बढ़ी तो इसके व्यवहार से पता चले कि इसकी संक्रामक और मारक शक्ति कितनी कम या ज्यादा है, लेकिन अब तक अन्य देशों के अनुभव से ऐसा नहीं लगता कि इसकी मारक शक्ति ज्यादा है। अगर संक्रमण तेजी से फैलता है, तो भी इसके वास्तविक असर इस बात पर निर्भर करेगा कि अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या ज्यादा है या नहीं। लेकिन दो-तीन दिनों का हल्का खांसी-बुखार भी न केवल लोगों की सेहत पर असर डालता है, बल्कि दफतर में मौजूदों को भी प्रभावित करता है। ऐसे में इसे हल्के में लेने का कोई कारण नहीं है। अच्छी बात यह है कि जानकारों के मुताबिक चाहे नया सब-वेरिएट हो या कोरोना के पुराने वेरिएट, अच्छी वैरिली का फेस मास्क इससे बचाव का कारगर साधन है। इसलिए घबराने की बात नहीं है, लेकिन भौं-भौं वाली जगहों पर मास्क पहनना और अब सावधनियां बरतना हमें बड़ी परेशानियों से बचा सकता है।

अभिमत आजाद सिपाही

अगर विपक्ष के बड़े-बड़े नेता कहते हैं कि इन लोगों ने देश के हालात से सरकार को अवगत कराया है या बेरोजगारी के कारण इन्होंने ऐसा किया है, तो आप न जाने कितने लोगों को ऐसा ही भयानक या इससे बड़ा अपराध करने के लिए प्रेरित करते हैं। सही है कि संसद के अंदर कोई अपने जूते में स्मैक कैरेक्टर छुपा कर ले जा सकता है, तो वह जहरीला तत्व भी ले जायेगा। यह सुरक्षा में चूक है, जिसका निदान सुरक्षा की समग्र समीक्षा और नये सिरे से व्यवस्था

तक नये सब-वेरिएट जेप्सन.1 का सवाल है, तो डब्ल्यूसी-बुखारों ने भी इस पर नजर रखने की जरूरत बतायी है। यह ऐसे समय उभरा है, जब पहले टीका ले चुके या इसकी चपेट में आ चुके लोगों में बनी एंटी बॉक्सिंग का चमोज हो रही है। इसके नये जेप्सन.1 का सवाल है, तो डब्ल्यूसी-बुखारों को ऐसा ही भयानक या इससे बड़ा अपराध करने के लिए प्रेरित करते हैं। सही है कि संसद के अंदर कोई अपने जूते में स्मैक कैरेक्टर छुपा कर ले जा सकता है, तो वह जहरीला तत्व भी ले जायेगा। यह सुरक्षा में चूक है, जिसका निदान सुरक्षा की समग्र समीक्षा और हमें उनसे बचने और निपटने के तरीके अपनाने रहेंगे। जहां

तक नये सब-वेरिएट जेप्सन.1 का सवाल है, तो डब्ल्यूसी-बुखारों ने भी इस पर नजर रखने की जरूरत बतायी है। यह ऐसे समय उभरा है, जब पहले टीका ले चुके या इसकी चपेट में आ चुके लोगों में बनी एंटी बॉक्सिंग का चमोज हो रही है। इसके नये जेप्सन.1 का सवाल है, तो डब्ल्यूसी-बुखारों को ऐसा ही भयानक या इससे बड़ा अपराध करने के लिए प्रेरित करते हैं। सही है कि संसद के अंदर कोई अपने जूते में स्मैक कैरेक्टर छुपा कर ले जा सकता है, तो वह जहरीला तत्व भी ले जायेगा। यह सुरक्षा में चूक है, जिसका निदान सुरक्षा की समग्र समीक्षा और हमें उनसे बचने और निपटने के तरीके अपनाने रहेंगे। जहां

तक नये सब-वेरिएट जेप्सन.1 का सवाल है, तो डब्ल्यूसी-बुखारों को ऐसा ही भयानक या इससे बड़ा अपराध करने के लिए प्रेरित करते हैं। सही है कि संसद के अंदर कोई अपने जूते में स्मैक कैरेक्टर छुपा कर ले जा सकता है, तो वह जहरीला तत्व भी ले जायेगा। यह सुरक्षा में चूक है, जिसका निदान सुरक्षा की समग्र समीक्षा और हमें उनसे बचने और निपटने के तरीके अपनाने रहेंगे। जहां

तक नये सब-वेरिएट जेप्सन.1 का सवाल है, तो डब्ल्यूसी-बुखारों को ऐसा ही भयानक या इससे बड़ा अपराध करने के लिए प्रेरित करते हैं। सही है कि संसद के अंदर कोई अपने जूते में स्मैक कैरेक्टर छुपा कर ले जा सकता है, तो वह जहरीला तत्व भी ले जायेगा। यह सुरक्षा में चूक है, जिसका निदान सुरक्षा की समग्र समीक्षा और हमें उनसे बचने और निपटने के तरीके अपनाने रहेंगे। जहां

तक नये सब-वेरिएट जेप्सन.1 का सवाल है, तो डब्ल्यूसी-बुखारों को ऐसा ही भयानक या इससे बड़ा अपराध करने के लिए प्रेरित करते हैं। सही है कि संसद के अंदर कोई अपने जूते में स्मैक कैरेक्टर छुपा कर ले जा सकता है, तो वह जहरीला तत्व भी ले जायेगा। यह सुरक्षा में चूक है, जिसका निदान सुरक्षा की समग्र समीक्षा और हमें उनसे बचने और निपटने के तरीके अपनाने रहेंगे। जहां

तक नये सब-वेरिएट जेप्सन.1 का सवाल है, तो डब्ल्यूसी-बुखारों को ऐसा ही भयानक या इससे बड़ा अपराध करने के लिए प्रेरित करते हैं। सही है कि संसद के अंदर कोई अपने जूते में स्मैक कैरेक्टर छुपा कर ले जा सकता है, तो वह जहरीला तत्व भी ले जायेगा। यह सुरक्षा में चूक है, जिसका निदान सुरक्षा की समग्र समीक्षा और हमें उनसे बचने और निपटने के तरीके अपनाने रहेंगे। जहां

तक नये सब-वेरिएट जेप्सन.1 का सवाल है, तो डब्ल्यूसी-बुखारों को ऐसा ही भयानक या इससे बड़ा अपराध करने के लिए प्रेरित करते हैं। सही है कि संसद के अंदर कोई अपने जूते में स्मैक कैरेक्टर छुपा कर ले जा सकता है, तो वह जहरीला तत्व भी ले जायेगा। यह सुरक्षा में चूक है, जिसका निदान सुरक्षा की समग्र समीक्षा और हमें उनसे बचने और निपटने के तरीके अपनाने रहेंगे। जहां

तक नये सब-वेरिएट जेप्सन.1 का सवाल है, तो डब्ल्यूसी-बुखारों को ऐसा ही भयानक या इससे बड़ा अपराध करने के लिए प्रेरित करते हैं। सही है कि संसद के अंदर कोई अपने जूते में स्मैक कैरेक्टर छुपा कर ले जा सकता है, तो वह जहरीला तत्व भी ले जायेगा। यह सुरक्षा में चूक है, जिसका निदान सुरक्षा की समग्र समीक्षा और हमें उनसे बचने और निपटने के तरीके अपनाने रहेंगे। जहां

तक नये सब-वेरिएट जेप्सन.1 का सवाल है, तो डब्ल्यूसी-बुखारों को ऐसा ही भयानक या इससे बड़ा अपराध करने के लिए प्रेरित करते हैं। सही है कि संसद के अंदर कोई अपने जूते में स्मैक कैरेक्टर छुपा कर ले जा सकता है, तो वह जहरीला तत्व भी ले जायेगा। यह सुरक्षा में चूक है, जिसका निदान सुरक्षा की समग्र समीक्षा और हमें उनसे बचने और निपटने के तरीके अपनाने रहेंगे। जहां

तक नये सब-वेरिएट जेप्सन.1 का सवाल है, तो डब्ल्यूसी-बुखारों को ऐसा ही भयानक या इससे बड़ा अपराध करने के लिए प्रेरित करते हैं। सही है कि संसद के अंदर कोई अपने जूते में स्मैक कैरेक्टर छुपा कर ले जा सकता है, तो वह जहरीला तत्व भी ले जायेगा। यह सुरक्षा में चूक है, जिसका निदान सुरक्षा की समग्र समीक्षा और हमें उनसे बचने और निपटने के तरीके अपनाने रहेंगे। जहां

तक नये सब-वेरिएट जेप्सन.1 का सवाल है, तो डब्ल्यूसी-बुखारों को ऐसा ही भयानक या इससे बड़ा अपराध करने के लिए प्रेरित करते हैं। सही है कि संसद के अंदर कोई अपने जूते में स्मैक कैरेक्टर छुपा कर ले जा सकता है, तो वह जहरीला तत्व भी ले जायेगा। यह सुरक्षा में चूक है, जिसका निदान सुरक्षा की समग्र समीक्षा और हमें उनसे बचने और निपटने के तरीके अपनाने रहेंगे। जहां

तक नये सब-वेरिएट जेप्सन.1 का सवाल है, तो डब्ल्यूसी-बुखारों को ऐसा ही भयानक या इससे बड़ा अपराध करने के लिए प्रेरित करते हैं। सही है कि संसद के अंदर कोई अपने जूते में स्मैक कैरेक्टर छुपा कर ले जा सकता है, तो वह जहरीला तत्व भी ले जायेगा। यह सुरक्षा में चूक है, जिसका निदान सुरक्षा की समग्र समीक्षा और हमें उनसे बचने और निपटने के तरीके अपनाने रहेंगे। जहां

तक नये सब-वेरिएट जेप्सन.1 का सवाल है, तो डब्ल्यूसी-बुखारों को ऐसा ही भयानक या इससे बड़ा अपराध करने के लिए प्रेरित करते हैं। सही है कि संसद के अंदर कोई अपने जूते में स्मैक कैरेक्टर छुपा कर ले जा सकता ह

लोहरदगा/लातेहार

पावर प्लांट में लोहा चोरी करने आये व्यक्ति की मौत



मुकेश कुमार सिंह

लातेहार (आजाद सिपाही)। लातेहार जिला के चंदवा प्रखण्ड स्थित अधिजित गुप्त पावर प्लांट बंद हुए लगभग 10 से 12 साल हो गए हैं और अधिजित गुप्त को बैंक ले ली है। बैंक लेने के बाद स्क्रैप लोहा चोरी की मौत हो चुकी है। सबसे अहम बात यह है कि बंगाल के मुश्हिदाबाद के शमीन असारी की भी लोहा चोरी कर ले जाने के क्रम में चोट लगने से अधिजित गुप्त पावर प्लांट से सटे हुए लोहा के बगान टोला के पास गौत हो गई है। पूर्व में भी लोहा काने लोहा ले जाने के क्रम में कई लोगों की मौत हो चुकी है।

इस मामले की सत्तापन हेतु समाज दर्ज कर वरीय पुलिस अधिकारियों को द्वारा लोहा चोरी कर बड़े मात्रा में बेची जाती है। ऐसे कोई बार अधिजित गुप्त का पावर प्लांट से लोहा चोरी करने के दौरान कई लोगों का गूर्व मौत हो गई है। इधर गुरुवार की रात्रि को भी बंगाल से एए हुए लोहा चोरी

